विधि – I

(आपराधिक विधि और प्रक्रिया पुलिस अधिनियम सहित)

प्रश्नपत्र-I

LAW – I

(Criminal Law and Procedure with Police Act)

Paper-I

निर्धारित समय : तीन घण्टे] *[पूर्णांक : 100*

Time allowed : Three Hours] *[Maximum Marks : 100*

नोट : *(i) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रश्न संख्या **1** अनिवार्य है । प्रत्येक भाग 'क', 'ख' तथा 'ग' में से कम से कम **एक** प्रश्न अवश्य कीजिये ।*

*(ii) **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

*Notes : (i) Attempt **five** questions in all. Question No. **1** is compulsory. Attempt at least **one** question from each part, namely Part **'A'**, **'B'** and **'C'**.*

*(ii) **All** questions carry equal marks i.e. **20** marks.*

1. सभी **पाँच** खण्डों का उत्तर दीजिए । प्रत्येक खण्ड का उत्तर लगभग **एक सौ** शब्दों में दीजिए :

(i) वह कौन सी परिस्थितियाँ हैं जिनमें भारतीय दंड संहिता के अन्तर्गत किसी बालक को आपराधिक दायित्व से उन्मुक्ति उपलब्ध हैं ?

(ii) क्या भारतीय दंड संहिता के अन्तर्गत मत्तता आपराधिक दायित्व से उन्मुक्ति प्रदान करती है ? संगत प्रावधानों की सहायता से स्पष्ट कीजिये ।

(iii) कब कोई पुलिस अधिकारी मजिस्ट्रेट के आदेश के बिना और वारण्ट के बिना किसी व्यक्ति को गिरफ्तार कर सकता है ? दंड प्रक्रिया संहिता के संगत प्रावधानों के संदर्भ दें ।

(iv) लोक उपताप (पब्लिक-न्यूसेन्स) क्या है ? दंड प्रक्रिया संहिता के अन्तर्गत लोक न्यूसेन्स हटाने के लिये कौन आदेश देने के लिये प्राधिकृत है ? क्या लोक न्यूसेन्स हटाने के लिये नियमानुसार किये गये आदेश को दीवानी न्यायालय में चुनौती दी जा सकती है ?

(v) उत्तराखण्ड पुलिस अधिनियम, 2007 के अन्तर्गत किन अवचारों के लिये कोई पुलिस अधिकारी अनुशासनिक कार्यवाही के लिये जिम्मेदार होगा तथा उसे क्या दंड दिये जा सकते हैं ?

Answer all **five** parts, each in about **100** words :

(i) Under what circumstances immunity from criminal liability is available to a child under the Indian Penal Code ?

(ii) Does drunkenness provide immunity from criminal liability under the Indian Penal Code ? Explain with the help of relevant provisions.

(iii) When can a police officer arrest any person without an order from a Magistrate and without a warrant ? Refer to relevant provisions of Cr. P.C.

(iv) What is public nuisance ? Who is empowered under the Cr. P.C. to pass order for removal of public nuisance ? Can an order duly made for removal of public nuisance be called in question in any Civil Court ?

(v) What is misconducts for which a police officer shall be liable for disciplinary action under the Uttarakhand Police Act, 2007 and what are punishments which may be awarded therefor ?

भाग – क

Part – A

2. (क) भारतीय दंड संहिता के अन्तर्गत "गम्भीर एवम् अचानक प्रकोपन" सम्बन्धी प्रावधानों की व्याख्या कीजिये । 'हत्या' के अपराध में अभियुक्त के दायित्व को ऐसा प्रकोपन किस सीमा तक कम करता है ?

(ख) उन परिस्थितियों का वर्णन कीजिये जिनमें हत्या का अपराध, हत्या की कोटि में न आने वाले मानव वध में परिवर्तित हो जाता है ।

(a) Discuss the law relating to "grave and sudden provocation" as contained in the Indian Penal Code. To what extent such provocation mitigates the liability of the accused in the offence of murder ?

(b) State the circumstances when the offence of murder is reduced to culpable homicide not amounting to murder.

3. (क) आपराधिक षड्यंत्र की परिभाषा कीजिये तथा इसके आवश्यक तत्त्व बताइये ।

(ख) दुष्प्रेरण की परिभाषा कीजिये तथा इसमें और आपराधिक षड्यंत्र में अन्तर स्पष्ट कीजिये ।

(a) Define criminal conspiracy and discuss its essential ingredients.

(b) Define abetment and distinguish it from criminal conspiracy.

4. (क) शरीर के निजी प्रतिरक्षा की परिसीमाएँ क्या हैं और इन अधिकारों का प्रयोग करते हुए आक्रमणकारी की मृत्यु कारित करने तक का अधिकार कब प्राप्त होता है ?

(ख) 'अ', 'ब' से यह कहकर सम्पत्ति प्राप्त करता है कि "तुम्हारा शिशु मेरी टोली के हाथ में है और यदि तुम एक लाख रुपये नहीं भेज दोगे तो वह मार डाला जायेगा ।"

इस मामले में 'अ' के द्वारा कौन सा अपराध, यदि कोई हो, कारित किया गया है ?

(a) What are the limitations to the exercise of right of private defence of body and when in exercise of such right is it possible to cause death of the aggressor ?

(b) 'A' obtains property from 'B' by saying, "your child is in the hands of my gang, and will be put to death unless you send us one lakh rupees".

What offence, if any, has been committed by "A" in the above case ?

भाग – ख

Part – B

5. (क) दंड प्रक्रिया संहिता में अन्तर्विष्ट संक्षिप्त विचारण सम्बन्धी प्रावधानों का विवेचन कीजिये । स्पष्ट कीजिये कि संक्षेपत: विचारित प्रत्येक मामले के अभिलेख में मजिस्ट्रेट को कौन सी प्रविष्टियाँ करना आवश्यक हैं ?

आप इस मत से कहाँ तक सहमत हैं कि संक्षिप्त विचारण, नियमित विचारण का ही एक न्यून रूप है ?

(ख) वह कौन-कौन से अपराध हैं जिनका दंड प्रक्रिया संहिता के अन्तर्गत संक्षिप्त विचारण किया जा सकता है ?

(a) Discuss provisions dealing with summary trials as contained in the Cr. P.C. Describe the particulars which the Magistrate is required to enter in the record of every case tried summarily.

How far do you agree with the view that summary trial is an abridged form of the regular trial ?

(b) What are the offences which are triable in a summary trial under the Cr. P.C ?

6. (क) कार्यपालक मजिस्ट्रेट की उन शक्तियों का परीक्षण कीजिये जो उसे शान्ति एवम् लोक व्यवस्था को भंग होने से रोकने हेतु दंड प्रक्रिया संहिता द्वारा प्रदान की गयी हैं । क्या सम्बन्धित प्रावधान भारत के संविधान द्वारा प्रदत्त संगठित होने के मौलक (मूल) अधिकार का उल्लंघन नहीं करते ? स्पष्ट कीजिये ।

(ख) किन-किन मामलों में आभ्यासिक अपराधियों से सदाचार के लिये प्रतिभूति माँगी जा सकती है ? अपने उत्तर की पुष्टि में दंड प्रक्रिया संहिता के संगत प्रावधानों को संदर्भित कीजिये ।

(a) Examine the powers of the Executive Magistrate which have been provided to him by the Cr. P.C. for maintenance of public order and public tranquillity. Do the relevant provisions not infringe the fundamental right to assemble guaranteed by the Constitution of India ? Explain.

(b) What are matters in which security for good behaviour may be required from habitual offenders ? Refers to the relevant provisions of the Cr. P.C. in support of your answer.

7. (क) कब न्यायालय उस अभियुक्त की सम्पत्ति की क़ुर्की का आदेश दे सकता है, जो फरार हो गया है । अचल तथा चल सम्पत्तियों की क़ुर्की कैसे की जायेगी ?

(ख) दंड प्रक्रिया संहिता में मृत्यु दंडादेशों की पुष्टि के लिये प्रस्तुत किये जाने के संम्बन्ध में अन्तर्विष्ट प्रावधानों का विवेचन कीजिये । क्या उच्च न्यायालय, ऐसे अभियुक्त को जिसे सेशन न्यायालय ने मृत्युदंड दिया है, दोषमुक्त कर सकता है ? इस सम्बन्ध में उच्च न्यायालय की शक्तियों का परीक्षण कीजिये ।

(a) When can a Court order attachment of the property of an accused who has absconded ? How will attachment be made in respect of immovable and movable properties ?

(b) Discuss provisions regarding submission of death sentences for confirmation as contained in the Cr. P.C. Is the High Court empowered to acquit the accused person who was sentenced to death by a Court of Session ? Examine powers of the High Court in this regard.

भाग – ग

Part – C

8. (क) उत्तराखण्ड पुलिस अधिनियम, 2007 के अन्तर्गत पुलिस की भूमिका, कृत्यों तथा कर्त्तव्यों के सम्बन्ध में क्या प्रावधान हैं ? क्या पुलिस थाने में आभ्यासिक अपराधियों और संगठित अपराध में अन्तर्वलित व्यक्तियों का अभिलेख रखना और प्रदर्शित करना भी पुलिस का कर्त्तव्य है ? स्पष्ट कीजिये ।

(ख) उत्तराखण्ड पुलिस अधिनियम, 2007 के अन्तर्गत पुलिस व्यवस्था के लिये क्या विशेष प्रावधान हैं ? सार्वजनिक स्थलों के आरक्षण और अवरोध निर्माण करने तथा वहाँ संगीत एवम् ध्वनि संयन्त्रों के प्रयोग को नियंत्रित करने के सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक को क्या शक्तियाँ प्राप्त हैं ? विवेचना कीजिए ।

(a) What are the provisions dealing with role, functions and duties of police as contained under the Uttarakhand Police Act, 2007 ? Is it also a duty of police to keep and display in the police station, a record of habitual offenders and persons involved in organised crime ? Explain.

(b) What are the special provisions for policing contained under the Uttarakhand Police Act, 2007 ? What are the powers of the Superintendent of Policy to reserve public places and erect barriers and regulate the use of music and other sound systems in public places ? Explain.

9. (क) किसी थाने में की गयी रिपोर्ट के सम्बन्ध में पुलिस थाने के भार साधक अधिकारी के कर्त्तव्यों का विवेचन कीजिये । उसे किसी अपराध के अन्वेषण के सम्बन्ध में क्या-क्या सावधानियाँ बरतनी चाहिये ? विवेचन कीजिये ।

(ख) किसी अभियुक्त की गिरफ्तारी तथा जमानत के सम्बन्ध में किसी पुलिस थाने के भारसाधक-अधिकारी के क्या कर्त्तव्य हैं ? वर्णन कीजिये ।

(a) What are the duties of Officer-in-charge of a Police Station regarding reports made at police stations ? What precautions he is required to take regarding investigation of a crime ? Discuss.

(b) What are the duties of Officer-in-charge of a Police Station regarding arrest and bail of an accused person ? Describe.

10. (क) लोक अभियोजक की शक्तियों तथा कार्यों का वर्णन कीजिये । आप इस मत से कहाँ तक सहमत हैं कि "न्याय प्रशासन में लोक अभियोजक की एक महत्त्वपूर्ण भूमिका है ।"

(ख) "लोक अभियोजक किसी पक्ष का समर्थक नहीं होता है । सैद्धान्तिक रूप से वह राज्य का, जिसके नाम से सभी अभियोजन संचालित किये जाते हैं, प्रतिनिधित्व करता है । उसका कर्त्तव्य राज्य का प्रतिनिधित्व करना होता है, पुलिस का नहीं ।"

उपर्युक्त अवलोकन के प्रकाश में लोक अभियोजक के कर्त्तव्यों की विवेचना कीजिये ।

(a) Describe the powers and functions of Public Prosecutors. How far do you agree with the view that the Public Prosecutor has an important role in the administration of justice ?

(b) "The Public Prosecutor is not a protagonist of any party. In theory he stands for the State in whose name all prosecutions are conducted. His duty is to represent State, not the police".

Explain the duties of Public Prosecutor in the light of above observation.